एफपीआई की 1 लाख करोड़ की बिकवाली

पश्चिम एशिया संकट और रुपए में जारी तेज गिरावट का असर

मुंबई, 29 मार्च. पश्चिम एशिया संकट और रुपये में जारी तेज गिरावट के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अब तक इक्विटी में 1.13 लाख करोड़ से अधिक की शुद्ध बिकवाली की है. शुद्ध बिकवाली उनके द्वारा लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है.

केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा कंपनी सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने भारतीय बाजार में इक्विटी में अपना निवेश मार्च में 1,13,810 करोड़ रुपये घटाया है जिसका असर शेयर बाजारों पर साफ दिख रहा है. इससे पहले कभी एक ही महीने में इक्विटी में एफपीआई निवेश में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट नहीं दर्ज की गयी है. मार्च में अब सिर्फ एक कारोबारी दिवस बचा है और यह नकारात्मक रिकॉर्ड बनना तय है. डेट में उनकी शुद्ध बिकवाली 9,687 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 2,637 करोड़ रुपये रही. हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने कुल 1,852 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया. इक्विटी, डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरण मिलाकर मार्च में अबतक भारतीय पूंजी बाजार में एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 1,24,281 करोड़ रुपये रही है.

> कोरोना काल में मार्च 2020 के बाद यह पहला मौका है जब एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध निकासी की है. मार्च 2020 में जब पहली बार लॉकडाउन लगा था तब एफपीआई ने 1,18,203 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी. इस मामले में भी नया रिकॉर्ड बनना लगभग तय है. इससे पहले, फरवरी में एफपीआई का शुद्ध निवेश 37,847 करोड़ रुपये धनात्मक रहा था जबकि जनवरी में वे शुद्ध रूप से बिकवाल रहे थे.

चावल मजबूत, गेहूं, चीनी में साप्ताहिक गिरावट

नई दिल्ली, 29 मार्च. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. गेहूं और चीनी की कीमतों में नरमी रही जबकि खाद्य तेल और दालों में उतार-चढ़ाव देखा गया. सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 22 रुपये टूटकर 2,797 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. आटे का भाव दो रुपये बढ़कर 3,296 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 72 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी. उड़द दाल 68 रुपये और चना दाल पांच रुपये सस्ती हुई. मूंग दाल में 19 रुपये की गिरावट रही. मसूर दाल का भाव चार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा.

ईरान युद्ध से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का 02 अप्रैल को होगा जारी

मुंबई, 29 मार्च. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी. इसके अलावा, आने वाले सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं.

सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं. पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 02 अप्रैल को जारी होगा.

वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 01 और 02 अप्रैल को जारी किये जायेंगे. इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा.

बीते सप्ताह गुरुवार को रामनवमी के अवकाश के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ. सोमवार और शुक्रवार को बड़ी गिरावट रही जबकि मंगलवार और बुधवार को लिवाली को जोर रहा.

> सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत गिरकर बंद हुए. सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गयी. बीईएल का शेयर सबसे अधिक पांच फीसदी टूटा. रिलायंस इंडस्ट्रीज का 4.69 प्रतिशत, ट्रेंट का 4.64, भारतीय स्टेट बैंक का 3.62, एचडीएफसी बैंक का 3.10, टाइटन का 3.09 और अडानी पोर्ट्स का 2.01 प्रतिशत फिसल गया. टाटा स्टील का शेयर 1.75 प्रतिशत, आईटीसी का 1.72, मारुति सुजुकी का 1.70, एनटीपीसी का 1.29 और इंडिगो का 1.16 प्रतिशत गिर गया.

बैंकों के लिए विदेशी मुद्रा रखने की सीमा तय

नई दिल्ली, 29 मार्च. देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी बड़ी खबरों में इस हफ्ते कई अहम बदलाव देखने को मिले हैं. (आरबीआई) ने बैंकों के लिए विदेशी मुद्रा रखने की सीमा तय कर दी है, जिसका सीधा असर रुपए की मजबूती और आयात पर पड़ सकता है. वहीं, सोने और चांदी की कीमतों में भी इस हफ्ते बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों दोनों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं.

सोना 4,276 सस्ता होकर करीब 1.43 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 10,717 गिरकर 2.21 लाख प्रति किलो हो गई. इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय हालातों का असर रोजमर्रा की चीजों पर भी दिख रहा है, जिससे कुछ उत्पादों की कीमतें बढ़ने की आशंका है. इन सभी घटनाओं ने बाजार और आम लोगों दोनों के बजट पर असर डालना शुरू कर दिया है. देश की आर्थिक स्थिति और बाजार से जुड़ी बड़ी खबरों के बीच आरबीआई ने एक अहम फैसला लिया है, जिसके तहत अब बैंक अपने पास प्रतिदिन 100 मिलियन डॉलर (करीब 950 करोड़ रुपए) से ज्यादा विदेशी मुद्रा नहीं रख सकेंगे. इससे पहले बैंक 300 से 500 मिलियन डॉलर तक होल्ड कर रहे थे.

सातवीं बार वर्ल्ड बेस्ट लिस्ट में कोकिलाबेन

धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने लगातार सातवें वर्ष प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया

मुंबई, 29 मार्च. स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की एक शानदार मिसाल पेश करते हुए, मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने न्यूजवीक और स्टेटिस्टा की प्रतिष्ठित वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स 2026 की सूची में एक बार फिर अपना स्थान बनाया है. इस बड़ी उपलब्धि के साथ, यह अस्पताल लगातार सातवें वर्ष दुनिया के सबसे अच्छे मेडिकल सेंटर्स की लिस्ट में शामिल हुआ है.

यह शानदार कामयाबी दिखाती है कि यह अस्पताल बेहतर इलाज के लिए पूरी तरह समर्पित है. साथ ही, यह मरीजों की देखभाल और नई मेडिकल तकनीकों के मामले में दुनिया भर में सबसे आगे है. न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा ने दुनिया के 32 देशों के 2,500 से ज़्यादा अस्पतालों की जाँच की. इसमें कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल को भारत के सबसे बेहतरीन अस्पतालों में गिना गया है, जो दुनिया भर में इसकी बढ़ती पहचान को और मजबूत करता है.

> यह सम्मान कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के डॉक्टरों, नर्सों और बाकी कर्मचारियों की साझा मेहनत का नतीजा है, जो पूरी सहानुभूति, सटीकता और नई सोच के साथ काम करते हैं. अपनी फुल टाइम स्पेशलिस्ट सिस्टम, अलग-अलग विभागों के आपसी सहयोग और आधुनिक तकनीकों जैसे कि डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म, एआई-आधारित जांच और रोबोटिक सर्जरी के इस्तेमाल से, यह अस्पताल आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई पहचान दे रहा है. यह उपलब्धि कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के उस संकल्प को और मजबूत करती है, जिसमें भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विश्व-स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सरल और भरोसेमंद बनाना उनका मुख्य लक्ष्य है.

यह रैंकिंग दिखाती है कि अस्पताल एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी, मरीजों की खास जरूरतों के हिसाब से इलाज और बेहतर नतीजों पर लगातार काम करके अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों को अपना रहा है. वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स की रैंकिंग को स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक भरोसेमंद पैमाना माना जाता है.

इसमें अस्पतालों को उनके बेहतर इलाज, मरीजों के अनुभव, सुरक्षा नियमों और दुनिया भर के डॉक्टरों की सलाह जैसे मुख्य आधारों पर परखा जाता है. इस सूची में कोकिलाबेन हॉस्पिटल का लगातार बने रहना यह दिखाता है कि यह हमेशा ऊंचे मानकों का पालन करता है और विश्व-स्तरीय इलाज देने की क्षमता रखता है.

भारत ने निवेश को डब्ल्यूटीओ के एजेंडा में लाने का किया विरोध

नई दिल्ली, 29 मार्च. भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में विकास के लिए निवेश सुविधा पर समझौते को वैश्विक व्यापार के नियम बनाने वाले इस बहुपक्षीय संगठन के अंतर्गत लाने के प्रस्ताव का अकेले ही विरोध किया है. विकासशील देशों में निवेश के नियमों को अनुकूल बनाने के समझौते की इस पहल को खास कर चीन के नेतृत्व में कुछ देश आगे बढ़ा रहे हैं.

भारत निवेश को डब्ल्यूटीओ के एजेंडा में लाने का पहले से विरोध करता रहा है. जिनेवा में मुख्यालय वाले संगठन डब्ल्यूटीओ की 14 मंत्रिस्तरीय बैठक इस समय मध्य अफ्रीकी देश कैमरून के याउंडे में चल रही है. 26-29 मार्च तक चलने वाले इस सम्मेलन में भारतीय दल का नेतृत्व कर रहे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार देर रात एक सोसल मीडिया पोस्ट में कहा, डब्यूटीओ के शीर्ष निर्णायक निकाय (14वीं) मंत्रिस्तरीय बैठक में, महात्मा गांधी जी के इस दर्शन से प्रेरणा लेते हुए कि सत्य हमेशा झुंड प्रवृत्ति पर भारी पड़ता है, भारत ने विकास के लिए निवेश सुविधा (आईएफडी) समझौते जैसे विवादास्पद मुद्दे पर अकेले खड़े होने का साहस दिखाया.

उल्लेखनीय है कि एक बड़े समूह द्वारा प्रेरित पहल है जिसका मकसद निवेश प्रक्रियाओं को आसान बनाना, निवेश व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाना और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) को आकर्षित करने के लिए सहयोग बढ़ाना है.

> यह पहल ऐसे समय हो रही है जबकि चीन को कई देशों में अपनी निवेश परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. भारत ने इस समझौते को डब्ल्यूटीओ के ढांचे में चौथी अनुसूची के समझौते के रूप में शामिल किए जाने पर अपनी सहमति दर्ज की है. भारत का मानना है कि इस समझौते को शामिल करने से डब्ल्यूटीओकी कार्य-सीमाओं के क्षीण होने और उसके मूलभूत सिद्धांतों के कमज़ोर पड़ने का जोखिम है. अनुसूची-4 के समझौते बहुलवादी समझौते होते हैं और उन्हीं देशों में लागू होते हैं इसमें शामिल हैं. श्री गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ में सुधारों से संबंधी

डीडीए स्कीम : 50 हजार में बुक करें फ्लैट

दिल्ली में सस्ते घर, 2 दिन में 700 बुकिंग

नई दिल्ली, 29 मार्च. दिल्ली में घर खरीदने का सपना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान होता नजर आ रहा है. दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) की नई हाउसिंग स्कीम 2026 ने आम लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है.

इस योजना के तहत महज 50,000 रुपये में फ्लैट बुक करने का मौका मिल रहा है, जबकि शुरुआती कीमत करीब 33.51 लाख रुपये रखी गई है. खास बात यह है कि लॉन्च के सिर्फ दो दिनों के भीतर ही 700 से अधिक फ्लैट्स की बुकिंग हो चुकी है, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है.

> नरेला क्षेत्र में स्थित ये रेडी-टू-मूव फ्लैट्स खासतौर पर सरकारी कर्मचारियों और कम आय वर्ग के परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं. 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मिल रहे इन फ्लैट्स ने राजधानी में किफायती आवास की उम्मीद को नई दिशा दी है. राजधानी में किफायती आवास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी ने हाउसिंग स्कीम 2026 लॉन्च की है, जिसे लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है.

इंडिगो नवी मुंबई से 30 से अधिक नए मार्गों पर शुरू करेगी उड़ानें

नई दिल्ली, 29 मार्च. देश की प्रमुख विमान सेवा प्रदाता कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से 23 अप्रैल के बीच नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 से अधिक नये मार्गों पर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है. एयरलाइंस ने रविवार को बताया कि नये मार्गों में नवी मुंबई से आगरा, अयोध्या, बागडोगरा, बेलगांव, चंडीगढ़, दीव, कन्नूर, कोलकाता, पटना, राजकोट, श्रीनगर, वाराणसी और विशाखापत्तनम् के लिए उड़ानें शामिल होंगी.

अप्रैल में 14 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, 29 मार्च.अप्रैल 2026 में बैंकिंग से जुड़े काम करने वालों के लिए जरूरी खबर है. आरबीआई के छुट्टियों के कैलेंडर के अनुसार, देशभर में अलग-अलग राज्यों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे.

इन छुट्टियों में रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा कई क्षेत्रीय और राष्ट्रीय अवकाश शामिल हैं. महीने की शुरुआत 1 अप्रैल से ही बैंक हॉलिडे के साथ होगी, क्योंकि इस दिन सालाना अकाउंट क्लोजिंग के चलते पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे. हालांकि, ग्राहकों को ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल ऐप और एटीएम सेवाएं हमेशा की तरह चालू रहेंगी. इसलिए जरूरी लेनदेन डिजिटल माध्यम से आसानी से किया जा सकता है. इसके साथ ही शेयर बाजार में भी अप्रैल महीने में कई दिन कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशकों को पहले से योजना बनाना जरूरी हो गया है. अप्रैल महीने में बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वाले ग्राहकों को पहले से सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इस महीने कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे. इन छुट्टियों में चार रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहार और विशेष अवसर शामिल हैं.

समाचार विशेष

केरलम : क्या है बी-टीम पॉलिटिक्स?

पिनराई विजयन और राहुल गांधी के बीच जुबानी जंग

तिरुवनंतपुरम. केरलम की राजनीति में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरोप-प्रत्यारोपों का दौर चरम पर है. मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस और उसके नेता ऐतिहासिक रूप से 'भाजपा की बी-टीम' के रूप में काम करते रहे हैं.

विजयन का यह बयान राहुल गांधी के उस आरोप के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने केरलम में सीपीआई (एम) और भाजपा के बीच एक 'गठबंधन' होने का दावा किया था.

मुख्यमंत्री विजयन ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए 'कम्युनिस्ट भारतीय जनता पार्टी' गठजोड़ के दावों को पूरी तरह नकार दिया. उन्होंने तर्क दिया कि वास्तव में कांग्रेस ही वह पार्टी रही है, जिसके रुख के कारण कई राज्यों में भाजपा का उदय संभव हुआ है. स्रोतों के अनुसार, विजयन ने कांग्रेस पर भाजपा विरोधी व्यापक गठबंधनों को कमजोर करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी एकता को खंडित करने का आरोप लगाया है. उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे बार-बार मिली राजनीतिक असफलताओं से सबक लेने में विफल रहे हैं और जमीनी हकीकत को नहीं समझते. विजयन ने अपने दावों को पुख्ता करने के लिए दिल्ली और हरियाणा के घटनाक्रमों का जिक्र किया.

सीन से गायब क्यों हैं अन्नामलाई?

बीजेपी नयनार नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़ रही चुनाव

चेन्नई. के अन्नामलाई 2024 के लोकसभा चुनाव के समय तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष थे. वो राज्य के सबसे अधिक चर्चित नेताओं में से एक हैं. उस चुनाव के बाद 2026 में हो रहे तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव के समय वो सीन से गायब हैं.अब वो तमिलनाडु की कहानी के केंद्र में नहीं हैं.

साल 2024 के बाद अन्नामलाई और बीजेपी, दोनों के लिए बहुत कुछ बदल गया है. भारतीय पुलिस सेवा का एक युवा अधिकारी, जिसने नौकरी छोड़कर एंग्री यंग मैन वाली छवि के साथ राजनीति में कदम रखा था. उसने नरेंद्र मोदी और अमित शाह के समर्थन से बीजेपी की द्रविड़ राजनीति को नया रूप देने की कोशिश की. उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर नयनार नागेंद्रन को यह जिम्मेदारी दी गई है.

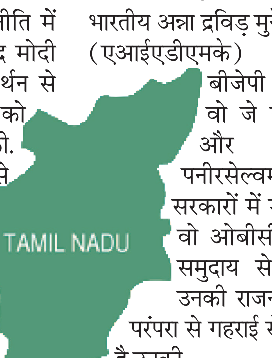

अन्नामलाई की आक्रामक और मीडिया फ्रेंडली छवि से अलग नागेंद्रन एक व्यावहारिक, संतुलित और अलग तरह के नेता हैं. वो अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) छोड़कर बीजेपी में आए हैं. वो जे जयललिता और ओ पनीरसेल्वम की सरकारों में मंत्री रहे हैं. वो ओबीसी के थेवर समुदाय से आते हैं. उनकी राजनीति द्रविड़ परंपरा से गहराई से जुड़ी रही है.उनकी नियुक्ति एआईएडीएमके को संतुष्ट करने और मुक्कुलाथोर वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा थी.

> नागेंद्रन के अलावा,तमिलनाडु में बीजेपी का नेतृत्व पुराने नेताओं के हाथों में है. इन नेताओं की जड़ें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में हैं. तमिलसाई सुंदरराजन, सीपी राधाकृष्णन और एल मुरुगन जैसे नेता संगठनात्मक रूप से मजबूत हैं. लेकिन वे अब अपने राजनीतिक शिखर पर नहीं हैं. उनमें द्रविड़ राजनीति की स्थापित धारणाओं को चुनौती देने के लिए जरूरी करिश्मा की कमी है. यहीं पर अन्नामलाई की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है. उन्होंने, भले ही अपनी ही पार्टी के कई शक्तिशाली नेताओं को नाराज किया हो, लेकिन वे बीजेपी के लिए एक अलग पहचान पेश करते हैं.

कांग्रेस को तृणमूल और एनपीपी की चुनौती

नई दिल्ली. कांग्रेस पार्टी को कई राज्यों में भारतीय जनता पार्टी के साथ साथ ऐसी पार्टियों से भी लड़ना पड़ता है तो भाजपा की विरोधी हैं या उससे दूरी बनाने की राजनीति करती हैं.

ऐसी पार्टियों में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी मुख्य है. ये पार्टियां कई राज्यों के चुनावों में सिर्फ कांग्रेस पार्टी का नुकसान करने के लिए लड़ती हैं. अभी जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें पश्चिम बंगाल में तो खैर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है लेकिन असम में भाजपा और कांग्रेस आमने सामने लड़ रहे हैं. वहां ममता बनर्जी की पार्टी के उम्मीदवार कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए चुनाव मैदान में हैं. भाजपा से दूरी दिखा रही उसकी सहयोगी एनपीपी भी असम में चुनाव लड़ रही है. एनपीपी के नेता कॉनरेड संगमा मेघालय के मुख्यमंत्री हैं.

प्रथम पेज का शेष

इंदौर में पानी की समस्या नहीं रहेगी

जबकि नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है. इस दौरान जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि जल संरचना के विकास के साथ सेवा वितरण को भी मजबूत किया जा रहा है. मंच पर सांसद शंकर लालवानी, विधायक रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा, महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला के साथ एमआईसी मेंबर व जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे. इसके बाद मुख्यमंत्री ने सिहांसा आईटी पार्क में लॉन्चपैड एनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर का लोकार्पण किया. इस दौरान उन्होंने स्टार्टअप से जुड़े युवाओं के साथ संवाद कर उनकी जरूरतों और नवाचारों की जानकारी ली. इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में आयोजित बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप 2026 के लिए 5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की.

विशेष कांग्रेस-रायजोर दल का गठबंधन बनेगा भाजपा की चुनौती

अहोम साम्राज्य की राजधानी में सियासी संग्राम

गुवाहाटी. असम के ऊपरी हिस्से में स्थित सिबसागर महज एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह असम के गौरवशाली इतिहास और पहचान का धड़कता हुआ दिल है. ब्रह्मपुत्र घाटी के उपजाऊ मैदानों में बसा यह इलाका कभी शक्तिशाली अहोम साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था, जिसके 600 साल पुराने स्मारक और विशाल तालाब आज भी इसकी भव्यता की कहानी सुनाते हैं.

इस समय सिबसागर की फिज़ाओं में महज इतिहास की महक नहीं, बल्कि 2026 के विधानसभा चुनाव की तपिश भी महसूस की जा रही है. चाय के बागानों और तेल भंडारों वाले इस क्षेत्र में इस बार जो राजनीतिक खिचड़ी पक रही है उसने दिल्ली से लेकर गुवाहाटी तक के दिग्गजों की नींद उड़ा रखी है. सिबसागर का राजनीतिक इतिहास उतना ही गहरा है जितना यहां का सांस्कृतिक महत्व. 1951 में अपनी स्थापना के बाद से इस सीट ने 15 विधानसभा चुनाव देखे हैं, जहां कांग्रेस का लंबे समय तक दबदबा रहा है. कांग्रेस ने यहां आठ बार जीत दर्ज की है, जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पांच बार अपना परचम लहराया है. दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी यहां अब तक अपना खाता भी नहीं खोल पाई है. 2021 के चुनावों ने यहां एक नया मोड़ लिया जब जेल में रहते हुए रायजोर दल् के संस्थापक अखिल गोगोई ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भाजपा की सुरभि राजकोंवर को करीब 11875 वोटों से हराकर सबको चौंका दिया था.

सिबसागर में क्या है जीत का नया फॉर्मूला- आगामी 2026 के चुनावों के लिए सबसे बड़ी खबर यह है कि रायजोर दल और कांग्रेस ने हाथ मिला लिया है. एक समझौते के तहत रायजोर दल असम में 13 सीटों पर चुनाव लड़ेगा, जिसमें सिबसागर की उनकी प्रमुख सीट भी शामिल है. इस गठबंधन ने भाजपा गठबंधन के लिए राह और मुश्किल कर दी है, क्योंकि विपक्षी वोटों का बंटवारा रुकने से समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं. सिबसागर एक सामान्य श्रेणी की सीट है जहां मतदाताओं का रुझान हमेशा से ही क्षेत्रीय अस्मिता और विकास के प्रति रहा है. यहां का मतदाता जागरूक हैए जिसका प्रमाण यहां का उच्च मतदान प्रतिशत (2016 में 84.72) है.

> ### आम जनता के लिए क्या हैं असली मुद्दे
> सिबसागर की अर्थव्यवस्था तीन मुख्य स्तंभों पर टिकी है. चाय, तेल और पर्यटन. यहां के ग्रामीण मतदाता, जो कुल आबादी का लगभग 74.23 प्रतिशत हैं, मुख्य रूप से धान की खेती, सरसों और रेशम उत्पादन पर निर्भर हैं. ओआईएल के ऑपरेशंस यहां रोजगार का एक बड़ा जरिया हैं. एक आम नागरिक के लिए यहां चुनावी मुद्दे केवल पार्टी के नाम तक सीमित नहीं हैंय चाय बागान श्रमिकों की मजदूरी, तेल क्षेत्रों से मिलने वाले स्थानीय लाभ और अहोम स्मारकों का संरक्षण यहां की मुख्य चिंताएं हैं.